# Counselling Process: Stages
## (परामर्शन प्रक्रिया - अवस्थाएँ)

परामर्शन एक प्रक्रिया होता है। इसका मतलब यह हुआ कि परामर्शन में एक निश्चित समय के भीतर कुछ घटनाएँ एक-एक करके घटती हैं। इस तरह से परामर्शन प्रक्रिया से तात्पर्य क्लायंट के व्यक्तित्व में वांछित दिशा में सतत हुए या होनेवाले परिवर्तनों से होता है। सामान्यतः निम्नांकित तीन तरह के व्यक्तित्व में परिवर्तन करने का उद्देश्य परामर्शन का होता है—

(i) क्लायंट में अपनी समस्याओं के बारे में भी एक सामान्य जानकारी उत्पन्न करना।

(ii) वांछित दिशा में क्लायंट या परामर्शी में व्यवहारपरक परिवर्तन उत्पन्न करना ताकि वह निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त कर सके।

(iii) अपनी अंत: शक्तियों तथा सीमाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करना तथा साथ-ही-साथ यह भी ज्ञान प्राप्त करना कि उन्हें अपने लक्ष्य प्राप्ति करने में किस तरह से उत्तम ढंग से उपयोग किया जा सकता है।

अधिकतर मनोवैज्ञानिकों का मत है कि परामर्शन प्रक्रिया सभी व्यक्तियों के लिए तथा सभी तरह की समस्याओं लिए लगभग एक समान ही होता है। लेकिन विभिन्न तरह के परामर्शन मॉडलों के अनुरूप उस प्रक्रिया में थोड़ा अंतर आवश्य हो जाता है। जैसे व्यवसायिक तथा शैक्षिक परामर्शन में परामर्शदाता तथ्यों पर आधारित सूचनाओं के संग्रहण में तथा क्लॉयंट को इन सूचनाओं के अर्थ को समझने पर अधिक बल डाला जाता है। इस तरह के परामर्शन में परामर्शदाता क्लायंट में एक युक्तिसंगत समस्या समाधान प्रक्रियाओं, उसके आत्म संप्रत्यय (Self concept) तथा मूल्यों के स्पष्टीकरण पर अधिक बल डालता है।

व्यवसायिक तथा शैक्षिक परामर्शन सामान्यत: दस चरणों (steps) से होते हुए संपन्न होता है :—

(i) क्लायंट के साथ संबंध स्थापित करना। (establishing a relationship with client)

(ii) समस्या का उल्लेख करना (Stating the Poblem)

(iii) समस्या का विवरण एवं व्याख्या करना (establishing and explanning the issues)

(iv) क्लायंट के पृष्ठभूमि के मनोवैज्ञानिक पहलुओं का पता लगाना (exploring the psychological aspects of background of client)

(v) प्रक्रिया के स्वरूप को तय करना (structuring the nature of the process)

(vi) आवश्यक आंकड़ों के परीक्षणों, केस सामग्रियों, व्यक्तिगत अभिलेखों आदि की मदद से संग्रह करना। (callecting the needed data from tests, case material, personal document, etc.)

(vii) परीक्षण से प्राप्त आँकड़ों की व्याख्या करना तथा व्यक्तिगत मूल्यांकन करना (interpreting the test data and making individual appraisal)

(viii) क्लाइंट या परामर्शी के शैक्षिक तथा व्यवसायिक पसंदगी के आलोक से आंकड़ो की विवेचना करना। (to discuss the data in light of educational and vocational chaices of client or counsellee)

(ix) वैकल्पिक उपागमों या योजनाओं पर विचार करना तथा उसे क्रियान्वयन करना (discussing the alternative approach or plan and trying out them)